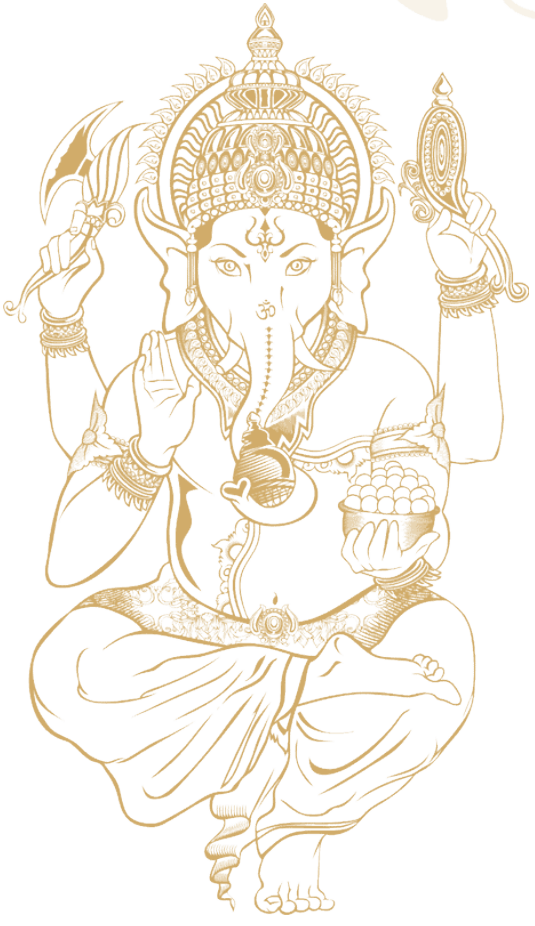

Rupesh

Devaki

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121694802

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/03/2005	जन्म तिथि	20/02/2007
सोमवार	दिन	मंगलवार
घंटे 21:45:00	जन्म समय	19:02:00 घंटे
घटी 38:08:01	जन्म समय(घटी)	29:49:00 घटी
India	देश	India
Jaitaran	स्थान	Jaitaran
26:14:00 उत्तर	अक्षांश	26:14:00 उत्तर
74:00:00 पूर्व	रेखांश	74:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:00	स्थानिक संस्कार	-00:34:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:47	सूर्योदय	07:06:23
18:48:49	सूर्यास्त	18:29:31
23:55:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:57:29

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 2वर्ष 5मा 22दि		23:44:28	तुला	लग्न	सिंह	15:33:23	बुध 16वर्ष 0मा 16दि	
शनि		14:09:03	मीन	सूर्य	कुंभ	07:34:16	केतु	
20/09/2023		18:09:48	तुला	चंद्र	मीन	17:24:56	09/03/2023	
20/09/2042		11:48:04	मक	मंगल	मक	01:53:09	09/03/2030	
शनि	23/09/2026	15:57:56	मीन व	बुध व	कुंभ	12:57:39	केतु	05/08/2023
बुध	02/06/2029	20:48:26	कन्या व	गुरु	वृश्चि	22:53:35	शुक्र	04/10/2024
केतु	12/07/2030	13:31:23	मीन	शुक्र	मीन	05:04:31	सूर्य	09/02/2025
शुक्र	10/09/2033	26:30:20	मिथु	शनि व	कर्क	26:53:43	चन्द्र	10/09/2025
सूर्य	23/08/2034	28:49:38	मीन	राहु	कुंभ	22:11:47	मंगल	06/02/2026
चन्द्र	24/03/2036	28:49:38	कन्या	केतु	सिंह	22:11:47	राहु	25/02/2027
मंगल	02/05/2037	14:34:18	कुंभ	हर्ष	कुंभ	19:58:37	गुरु	01/02/2028
राहु	08/03/2040	22:56:56	मक	नेप	मक	25:59:29	शनि	11/03/2029
गुरु	20/09/2042	00:35:09	धनु व	प्लूटो	धनु	04:35:27	बुध	09/03/2030

लग्न-चलित

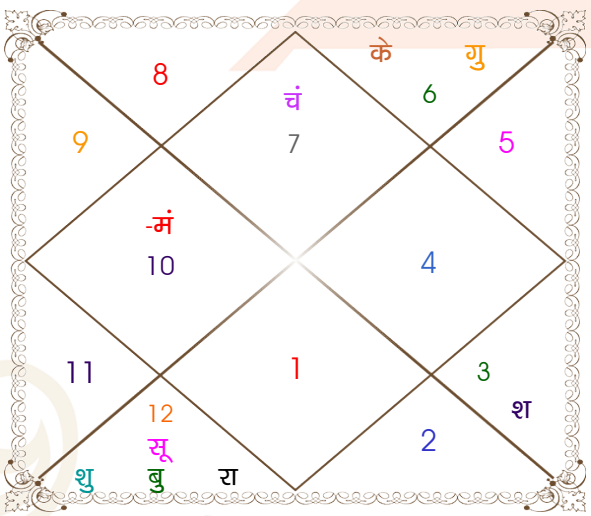

लग्न-चलित

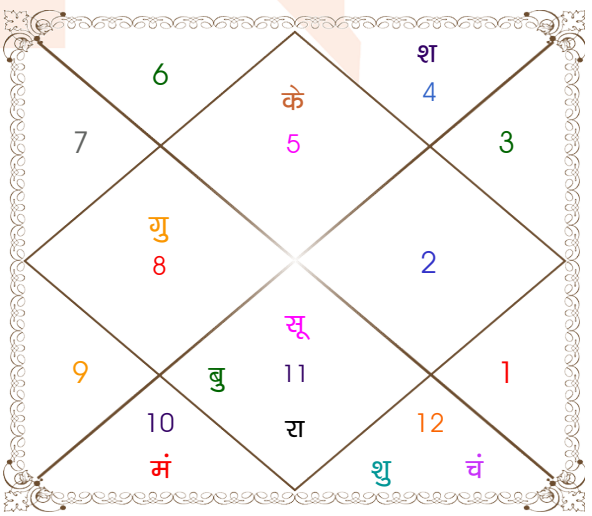

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि क्मअंप का नक्षत्र रेवती है।

Rupesh का वर्ग सर्प है तथा क्मअंप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rupesh और क्मअंप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Rupesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Rupesh कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

क्मअंप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्मअंप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Rupesh तथा क्मआंप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।